बर्षः- 06
अंकः- 09
मुरादाबाद
(Thursday)
30 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सपा विकास विरोधी भी है और नारी विरोधी भी, गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन कर बोले पीएम मोदी

हरदोई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर दिया है। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सपा पर हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सपा कभी भी परिवारवाद और जातिवाद से ऊपर नहीं उठ सकती। ये लोग हमेशा विकास विरोधी राजनीति करेंगे। यूपी को सपा और उसके सहयोगियों से सावधान रहना है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में 594 द्मद्व लंबे एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। लगभग

?36,230 करोड़ की कुल लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे से मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय अभी के 10-12 घंटे से घटकर लगभग 6 घंटे होने की उम्मीद है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं मानता हूं कि उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेस वे का ये वरदान ये भी मां गंगा का ही आशीर्वाद है। अब आप कुछ ही घंटों में संगम भी पहुंच सकते हैं, और काशी में बाबा के दर्शन करके भी वापस आ सकते हैं। जैसे मां गंगा हजारों वर्षों से उत्तर प्रदेश और इस देश की जीवन रेखा रही है वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके समीप से गुजरता ये एक्सप्रेस वे UP के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा।मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है% प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है। इसमें विकास का हमारा विजन भी झलकता है और हमारी विरासत के भी दर्शन होते हैं। मैं यूपी के करोड़ों लोगों को गंगा एक्सप्रेस-वे की बधाई देता हूं।निर्भीक वातावरण में बंगाल में इस बार मतदान हो रहा है- मोदी पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 6-7 दशक में जो नहीं हुआ, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, वैसे निर्भीक वातावरण में बंगाल में इस बार मतदान हो रहा है। लोग भयमुक्त होकर वोट दे रहे हैं। यह देश के संविधान और देश के मजबूत होते लोकतंत्र का पुण्य प्रतीक है। मैं बंगाल की जनता का आभार व्यक्त करता हूं कि वो अपने अधिकार के प्रति इतनी सजग है और बड़ी संख्या में मतदान कर रही है। बंगाल में इस समय दूसरे चरण का मतदान हो रहा है- मोदी पीएम मोदी ने कहा कि आज लोकतंत्र के उत्सव का भी एक अहम दिन है। बंगाल में इस समय दूसरे चरण का मतदान हो रहा है और जो खबरें आ रही हैं, उससे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रही है, लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। %पांच राज्यों के चुनाव में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है% पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले, जब बिहार में चुनाव हुए तो भाजपा-एनडीए ने प्रचंड जीत दर्ज की थी, एक इतिहास रच दिया था। अभी कल ही गुजरात में महानगर पालिका, नगर पालिका, जिला पंचायतें, नगर पंचायतें, तहसील पंचायत... इन सब के चुनाव के नतीजे आए हैं। 80 से 85 प्रतिशत नगरपालिका और पंचायत भाजपा ने जीत ली हैं। मुझे विश्वास है कि इन पांच राज्यों के चुनाव में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है। 4 मई के नतीजे विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगे। देश के विकास की गति को नई ऊर्जा से भरेंगे। %ये आधुनिक हस्तरेखाएं, आज भारत के उज्ज्वल भविष्य का जयघोष कर रही हैं% पीएम मोदी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले मुझे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के लोकार्पण का अवसर मिला था। तब मैंने कहा था कि ये नए बनते एक्सप्रेसवे विकसित होते भारत की हस्तरेखाएं हैं, और ये आधुनिक हस्तरेखाएं, आज भारत के उज्ज्वल भविष्य का जयघोष कर रही हैं।

पीएम बोले-अब वो दौर चला गया- पीएम मोदी ने कहा कि अब वो दौर चला गया, जब एक सड़क के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ता था। एक बार घोषणा हो गई तो वर्षों तक फाइलें चलती थीं। चुनाव के लिए पत्थर लग जाते थे, उसके बाद सरकारें आती-जाती रहती थीं, लेकिन काम का कुछ अता-पता नहीं लगता था। कभी-कभी पुरानी फाइलें ढूंढ़ने के लिए बड़े-बड़े अफसरों को दो-दो साल तक मेहनत करनी पड़ती थी। डबल इंजन सरकार में शिलान्यास भी होता है और तय समय में लोकार्पण भी होकर रहता है। ये ह्रष्टक्र की असीम संभावनाओं को भी करीब लाएगा- मोदी पीएम मोदी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे यूपी के एक छोर को दूसरे छोर से तो जोड़ता ही है। ये ह्रष्टक्र की असीम संभावनाओं को भी करीब लाएगा। %यूपी को पिछड़ा और बीमारू प्रदेश कहा जाता था% पीएम मोदी ने कहा कि पहले यूपी को पिछड़ा और बीमारू प्रदेश कहा जाता था, वही उत्तर प्रदेश आज एक ट्रिलियन द्गष्श्रठ्ठश्चद्व4 बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। यूपी के पास असीम क्षमता है, देश की इतनी बड़ी युवा आबादी का पोटेंशियल यूपी के पास है, इस ताकत का इस्तेमाल हम यूपी को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बीते दिनों एक बार फिर देश ने कांग्रेस और सपा का नारी विरोधी चेहरा देखा है। केंद्र की एनडीए सरकार नारी शक्ति वंदन संशोधन लेकर आई थी, अगर यह संशोधन पास हो जाता तो 2029 के चुनाव से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता। बड़ी संख्या में महिलाएं चुनकर लखनऊ और दिल्ली पहुंचतीं, वो भी किसी अन्य वर्ग की सीटें कम हुए बिना। लेकिन सपा ने इस संशोधन के खिलाफ वोट किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सपा कभी भी परिवारवाद और जातिवाद से ऊपर नहीं उठ सकती। ये लोग हमेशा विकास विरोधी राजनीति करेंगे। यूपी को सपा और उसके सहयोगियों से सावधान रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि आप लोग देख रहे हैं कि आज पूरी दुनिया कैसे युद्ध, अशांति और अस्थिरता में फंसी हुई है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों की हालत खराब है। लेकिन भारत विकास के रास्ते पर उसी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। भारत के दुश्मनों को यह पसंद नहीं आ रहा है। भीतर बैठे कुछ लोग सत्ता की भूख में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे हुए हैं। फिर भी हम न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि विकास के नए-नए कीर्तिमान भी गढ़ रहे हैं। हम आत्मनिर्भर भारत के अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। हम आधुनिक से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहे हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर की गंभीर टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि मानवाधिकार आयोग ने उन मामलों में स्वत: संज्ञान नहीं लिया, जहां मुस्लिम समुदाय के लोगों पर हमले और लिंचिंग की घटनाएं हुईं।लाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि मानवाधिकार आयोग ने उन मामलों में स्वत: संज्ञान नहीं लिया, जहां मुस्लिम समुदाय के लोगों पर हमले और लिंचिंग की घटनाएं हुईं, बल्कि ऐसे मामलों में हस्तक्षेप करता दिख रहा है जो प्रथम दृष्टया उसके कार्यक्षेत्र में नहीं आते। अदालत ने उत्तर प्रदेश के 588 मदरसों से जुड़ी शिकायत में जांच के आदेश को प्रथम दृष्टया अवैध बताते हुए आयोग को नोटिस जारी किया है। जो उसके कानूनी अधिकार क्षेत्र के बाहर है।मानवाधिकार आयोग पर प्रतिकूल टिप्पणियों को लेकर जजों के बीच मतभेद-इलाहाबाद हाईकोर्ट में टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान पीठ के दो न्यायाधीशों के बीच वैचारिक मतभेद का एक दुर्लभ मामला सामने आया है। न्यायमूर्ति विवेक सरन ने इस मामले में न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन द्वारा पारित आदेश के कुछ विशिष्ट अंशों और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विरुद्ध की गई प्रतिकूल टिप्पणियों पर अपनी स्पष्ट असहमति व्यक्त की है।

पीएम के काशी दौरे की तस्वीरें: बरेका से विश्वनाथ धाम तक पीएम मोदी का रोड शो, ढोल-नगाड़े और शंखनाद से गूंजा शहर

पीएम मोदी वाराणसी दौरे के दूसरे दिन बुधवार को काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन करने पहुंचे। सड़क मार्ग से रोड शो करते हुए पीएम बरेका से विश्वनाथ धाम पहुंचे। इस दौरान छह स्थानों पर उनका स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। बरेका से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर तक पीएम मोदी रोड शो करते हुए पहुंचे। इस दौरान भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। छह स्थानों पर पीएम का ढोल-नगाड़े और शंखनाद के बीच स्वागत किया गया। काशी विश्वनाथ मंदिर में पीएम ने षोडशोपचार

पूजा की और त्रिशूल और डमरू दिखाकर बाबा के भक्तों का अभिवादन किया।बरेका से विश्वनाथ धाम तक पीएम के स्वागत के लिए छह प्वॉइंट बनाए गए थे। बनारस रेलवे स्टेशन के सामने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए कई छात्र-छात्राएं भी पहुंचे। इनके हाथ में पीएम के लिए कुछ संदेश वाला पोस्टर दिखा। बच्चों ने कहा पीएम मोदी को देने के लिए छोटा सा गिफ्ट लेकर आए हैं। लहुराबीर चौराह पर प्रधानमंत्री मोदी का एनसीसी कैडेट्स व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान लोगों में काफी उत्साह दिखा। पीएम का स्वागत कर एनसीसी कैडेट्स व महिलाएं काफी खुश नजर आईं। पीएम मोदी के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह दिखा।

विकास के नाम पर विनाश : ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर राहुल बोले- आदिवासी विरासत के खिलाफ यह सबसे बड़ा घोटाला

राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल बे दौरे के बाद कहा कि 160 वर्ग किमी जंगल कटने से आदिवासी विरासत खतरे में है। इसे उन्होंने विकास के नाम पर विनाश बताया और स्थानीय लोगों के अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाया।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में प्रस्तावित ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़े घोटालों और अपराधों में से एक है। राहुल गांधी हाल ही में ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल बे इलाके का दौरा करने पहुंचे थे। वहां उन्होंने जंगलों और स्थानीय लोगों की स्थिति को करीब से देखा। उन्होंने कहा कि यहां के जंगल बेहद पुराने और अनमोल हैं, जिन्हें बनने में कई पीढ़ियां लगी हैं, लेकिन अब इन्हें खत्म करने की तैयारी की जा रही है।अपने बयान में

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस प्रोजेक्ट के तहत करीब 160 वर्ग किलोमीटर के घने जंगल काटे जाएंगे और लाखों पेड़ों को हटाया जाएगा। राहुल गांधी ने इसे विकास के नाम पर विनाश बताया। उनका कहना है कि इस परियोजना से वहां रहने वाली आदिवासी और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को नजरअंदाज किया जा रहा है और उनके घर-जमीन पर असर पड़ेगा।आदिवासी नेताओं से की थी मुलाकात

बता दें कि अपने ग्रेट निकोबार द्वीप की यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने स्थानीय आदिवासी नेताओं और निकोबारी समुदाय के लोगों से मुलाकात की। कई लोगों ने उनसे शिकायत की कि सरकार उनकी बात नहीं सुन रही और इस प्रोजेक्ट से उन्हें काफी परेशानी हो सकती है। केंद्र सरकार का क्या कहना है?- हालांकि इसके इतर केंद्र सरकार का कहना है कि करीब 81,000 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट से देश को बड़ा फायदा होगा। इसमें एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, पावर प्लांट और नया शहर बसाने की योजना है। सरकार का दावा है कि इससे समुद्री व्यापार, कनेक्टिविटी और देश की सुरक्षा मजबूत होगी।इंदिरा पॉइंट भी गए राहुल- गौरतलब है कि राहुल गांधी ने अपने दौरे के दौरान इंदिरा पॉइंट भी गए और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने यह भी कहा कि विकास ऐसा होना चाहिए, जिससे स्थानीय लोगों को फायदा हो, न कि केवल बड़े कॉरपोरेट घरानों को। कुल मिलाकर, ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर अब सियासत तेज हो गई है। एक तरफ सरकार इसे देश के विकास के लिए जरूरी बता रही है, तो दूसरी तरफ राहुल गांधी और स्थानीय लोग इसे पर्यावरण और आदिवासी अधिकारों के लिए खतरा मान रहे हैं।

TDP में बड़ा बदलाव: CM नायडू के बेटे लोकेश बने कार्यकारी अध्यक्ष, कई और नेताओं को मिली अहम जिम्मेदारी

आंध्र प्रदेश की सियासत में बड़ा संदेश देते हुए सीएम चंद्रबाबू नायडू ने टीडीपी की नई कार्यकारिणी घोषित की। इसके तहत नारा लोकेश को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर संगठन को नई दिशा देने की कोशिश की गई है। अनुभव और युवा नेतृत्व के संतुलन के साथ पार्टी ने जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाते हुए विकास और मजबूत संगठन पर जोर दिया है।आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने बुधवार को अपनी नई कार्यकारिणी समितियों का गठन किया। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चेंद्रबाबू नायडू ने इन नई टीमों को शपथ दिलाई। इस दौरान उनके बेटे और आईटी मंत्री नारा लोकेश को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया, जो संगठन को मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी संभालेंगे। इस दौरान नायडू ने कहा कि नई समितियों में अनुभवी नेताओं और नए चेहरों का संतुलन रखा गया है। पार्टी ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भी अहम पद दिए हैं, जिससे संगठन को नीचे से मजबूत किया जा सके। इतना ही नहीं उन्होंने कैडर ही नेता है के सिद्धांत पर जोर दिया।पार्टी के अनुसार, इन समितियों का गठन कई चरणों में विचार-विमर्श के बाद किया गया है, जिसमें पुराने नेताओं का सम्मान और नए

लोगों को मौका दोनों को ध्यान में रखा गया। 44 साल पुरानी पार्टी को नई ऊर्जा देने के लिए यह बदलाव किया गया है। सरकार के कामकाज पर बात करते हुए नायडू ने कहा कि उनकी सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है और विकास कार्यों को तेज कर रही है। उन्होंने बताया कि सिंचाई परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है, ताकि किसानों को पानी मिल सके। साथ ही पोलावरम और अमरावती जैसे बड़े प्रोजेक्ट भी आगे बढ़ाए जा रहे हैं।विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के लिए खास योजना- इस दौरान सीएम नायडू ने विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के लिए भी राज्य सरकार की योजना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम स्टील प्लांट को फिर से फायदे में लाने की दिशा में काम हुआ है और राज्य की साख को मजबूत किया गया है। बिजली क्षेत्र में सुधार करते हुए लोगों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा रहा और बिजली दरों को कम करने की कोशिश जारी है। इसके साथ ही नायडू ने विपक्षी पार्टी ङ्घस्क्र कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया कि वह साजिश और गलत जानकारी फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि टीडीपी विकास और सुशासन की राजनीति करती है, जबकि विपक्ष बाधाएं खड़ी कर रहा है।नायडू ने अपने बयान में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुशासन में रहने, लोगों से जुड़े रहने और विवादों से दूर रहने की अपील की। नायडू ने कहा कि नेताओं को घमंड से बचना चाहिए और आपसी मतभेदों को खत्म कर मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को आने वाले स्थानीय चुनावों के लिए तैयार रहना चाहिए और विकास कार्यों के आधार पर जनता का भरोसा जीतना चाहिए।

संपादकीय Editorial

We are not AAP's.

Seven Rajya Sabha MPs from the Aam Aadmi Party (AAP) have recently defected and joined the BJP. Fifty to sixty MLAs from Punjab are also angry and dissatisfied with the party leadership. They are a fragmented unit of AAP. There are also reports that the BJP is engaged in a mission to poach three Lok Sabha MPs from AAP. This is not a simple defection or political split; it is a highly significant political event that could significantly alter AAP's landscape. This rebellion has shattered the pride of the party's national convener, Kejriwal. Kejriwal was convener for only two years, but the party constitution was amended in 2018. Now, Kejriwal has become the party's "high command" forever. AAP is a 14-year-old party. A faction of workers and leaders dislike the "high command culture," resulting in perpetual disunity and fragmentation. Kejriwal used to say that AAP workers and leaders are so strong that no amount of greed, money, position, or pressure from investigative agencies can break them. He is proud and proud of such colleagues. The split of Rajya Sabha MPs and their joining the BJP has shattered many assumptions and raised questions about why Raghav Chadha and Sanjeev Pathak rebelled. Raghav is a professional chartered accountant, and Sanjeev Pathak was an IIT professor. They were among Kejriwal's "closest friends." It was Kejriwal who brought them into politics and gave them the opportunity to reach the highest house of Parliament.

The separation and eventual joining of these two AAP leaders, and ultimately the BJP, is a huge surprise. Kejriwal should introspect and reflect on why such people are leaving the party. These two leaders are not even tainted by any "tainted case" that would make them fear a CBI or ED investigation. The remaining MPs are either industrialists or, like Harbhajan, professionals. Ashok Mittal was appointed deputy leader of the AAP parliamentary party in the Rajya Sabha this month. On April 15th, the ED raided his Lovely University and other locations, and on April 24th, he defected and joined the BJP. Mittal is also the university's chancellor. Clearly, the influence of investigative agencies and the possibility of jail time play a role, forcing leaders to defect. However, the ultimate consequences of this split could mean AAP losing its national party status. The most significant crisis and challenge lies in Punjab, where assembly elections are scheduled for February 2027. Certainly, there is a possibility of a split, so Chief Minister Bhagwant Mann has sought an appointment with President Draupadi Murmu. The Chief Minister wants to demand that the President declare those elected to the Rajya Sabha with the votes of Punjab MLAs as "disqualified." The question is, how can the President declare any MP "disqualified"? This constitutional right rests solely with the Vice President and the Chairman of the Rajya Sabha, which has its own procedures. AAP Parliamentary Party leader Sanjay Singh will also write to Chairman Radhakrishnan demanding the termination of the MPs' membership. This is not easy, as the BJP has already completed all the formalities. This defection will give the BJP 113 members in the Rajya Sabha, just 10 MPs short of a simple majority.

Another Attack on Trump

Ironically, gun culture continues to fuel violence in America, yet President Trump is unwilling to curb this culture. A shooting in Trump's presence is a major security lapse. The incident at the Washington Hilton recalls the Reagan assassination. Questions again arise about gun culture in America. The shooting at a prestigious event attended by the US President not only highlights the lapses in Trump's security arrangements but also draws attention to the increasingly pervasive and dangerous gun culture in America. It is comforting that no one was seriously injured in the shooting, and one security guard survived the attacker's bullets because he was wearing a bulletproof vest. However, this incident draws even more attention because it occurred at the same Hilton Hotel in Washington, DC, where President Ronald Reagan was shot and injured. It is not uncommon for someone to open fire at an event attended by the President, Vice President, their senior aides, and journalists covering the White House. The US President's annual dinner with White House journalists is surrounded by the same intense security arrangements as at US airports. Furthermore, this event is known as one of the most secure, yet a security breach occurred there. While President Trump is rightly praising the vigilance of his security personnel, security officials must investigate how the attacker managed to breach his security cordon. While the attacker has been identified and arrested, it is currently unclear what his motives were. It's not surprising that he was someone influenced by the toxic atmosphere of political bitterness in America and wanted to target Trump for his policies. It's worth noting that similar attempts have already taken place on Trump's life in the past two years, with one incident where the attacker's bullet grazed his ear. The incident at the Hilton Hotel in Washington also highlights the need to reconsider the ease with which Americans can purchase and possess guns. Ironically, gun culture continues to fuel violence in America, yet President Trump is not in favor of curbing this culture. On the contrary, he is a strong supporter of the freedom to bear arms. Trump, after becoming president, only dismantled the new regulations and stricter measures initiated by former President Joe Biden against gun culture.

Hormuz becomes a battleground for economic warfare

Iran understands that the longer the blockade of Hormuz continues, the deeper the economic damage to the US and its allies will become, and the pressure on Trump to reach a quick compromise will increase. The US-Iran conflict has now transformed into an economic war.

The Strait of Hormuz has become the epicenter of this economic war. Trump's strategy has caused significant losses for the Gulf countries. Iran has cleverly transformed the US war, launched with the stated objectives of political change and Iran's disarmament, into an economic war, and the Strait of Hormuz has become the arena for this war. President Trump, who had threatened to wipe out Iran's civilization and return it to the Stone Age to force it to accept his terms, has had to change his approach. Angered by his rhetoric and threats, Iran has shown reluctance to hold a second round of peace talks. Consequently, Trump first extended his ceasefire indefinitely and then extended the ceasefires in Lebanon and Israel. Trump said that Pakistani Field Marshal Asim Munir and Prime Minister Shahbaz Sharif had urged him to halt attacks until Iranian representatives resolved their differences and came up with a common proposal. Trump also stated that Iran was having great difficulty finding a leader for negotiations. A conflict has broken out between hardliners and pragmatist leaders, who are facing severe war losses. Vice President J.D. Vance also confirmed this based on the experience of the first round of talks. The rumors of infighting among Iranian leaders were further strengthened by rumors last week that Mohammad Ghalibaf, who was leading Iran in the negotiations, had resigned as chief representative.

This was attributed to deepening differences with Revolutionary Guard chief General Ahmad Vahidi over the direction of the negotiations. It is reported that during the first round of talks, Qatar proposed allowing 20 Iranian ships to pass through the Strait of Hormuz in exchange for 20 Gulf ships. Ghalibaf was in favor of this, but the Revolutionary Guard blocked it. Since then, a heated exchange has been going on between him and hardline members of Iran's National Security Council and Majlis. He, along with Foreign Minister Abbas Araghzi, has also been criticized for his statement on opening the Strait of Hormuz and some statements in support of negotiations. To quell these rumors of differences, President Masoud Pezeshkian had to issue a statement denying any differences and asserting the unwavering unity among the leaders. Trump's airstrikes largely destroyed Iran's nuclear and missile systems, air defenses, and navy, but failed to loosen the Revolutionary Guard and Basij apparatus and their grip on power. The devastation caused by the bombings has even led those who opposed the regime to support it. The destruction of power and water plants and bridges could further inflame anger against the US and Israel, and if Iran were to retaliate by attacking the water and oil plants of Gulf countries, it could have caused an uproar throughout the Gulf region. Perhaps with this in mind, Trump has imposed the blockade of Hormuz to cut off Iran's main source of income. He has taken this step, based on General Munir's advice, hoping that economic hardship will either force Iran to negotiate or lead to a coup. However, this move could have been made without destroying Iran with airstrikes.

Iran had almost agreed to halt nuclear enrichment at the Geneva talks. By imposing the blockade of Hormuz, it could have been forced to halt its missile program and stop supporting terrorist groups. Critics say that Trump is making a similar mistake by succumbing to the influence of his friend Netanyahu by invading Iran. This blockade will likely cause far more harm to Trump's allies in the Gulf, Europe, Asia, and America itself than to Iran. Trump is often heard saying that Iran has no cards left, but he forgets that Iran's real advantage lies in the economic damage it can inflict by closing the Strait of Hormuz. By imposing the blockade, Trump has further strengthened Iran's advantage. While Iran has suffered losses of over $144 billion in the war, and according to the International Monetary Fund, its economy could decline by 6.1 to 10 percent, America's friendly Gulf countries have suffered losses of over $200 billion. Qatar has suffered the worst losses, with its economy expected to decline by 8.6 percent. According to the International Monetary Fund, the Gulf countries' economies will suffer a 5.6 percent loss. The US has already spent $56 billion on this war, and if we add the losses from the inflation of oil, fertilizers, and plastic goods, the figure is estimated to reach $1 trillion. Rising prices of oil, fertilizers, and daily commodities threaten to hurt India's economy by half to one and a half percent, devalue the rupee, and deplete the country's foreign exchange reserves to protect it. Iran understands that the longer the blockade of Hormuz continues, the deeper the economic blow to the United States and its allies will become, and the pressure on Trump to reach a quick compromise will increase. Trump's party also faces the public in the midterm congressional elections, which are concerned about the conflict and inflation. Trump is angry at the escalation. May 1st will mark two months of the war, after which Trump cannot continue without Congressional authorization. He will also be asked what he has achieved through the war that could not have been achieved through diplomacy or an economic blockade.

हसनपुर सिविल कोर्ट परिसर में वकील पर फूंकनी से हमला, महिला गिरफ्तार; अधिवक्ताओं का हंगामा

हसनपुर सिविल कोर्ट परिसर में एक महिला ने अधिवक्ता ईश्वरचंद्र पर फूंकनी से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एफआईआर दर्ज कर ली है। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने सख्त कार्रवाई की मांग की।हसनपुर के सिविल कोर्ट परिसर में मंगलवार को एक महिला ने अधिवक्ता पर फूंकनी से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गुस्साए अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया और थाने पहुंचकर कड़ी कार्रवाई की मांग की।कोतवाली क्षेत्र के गांव मल्ल वाली डगरौली निवासी ईश्वरचंद्र अधिवक्ता हसनपुर के सिविल जज (जूनियर डिवीजन) न्यायालय में प्रैक्टिस करते हैं। अधिवक्ता के अनुसार, वह मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे कोर्ट रूम में मौजूद थे, तभी क्षेत्र के एक गांव की महिला वहां पहुंची और अपने थैले से फूंकनी निकालकर उन पर हमला कर दिया।अचानक हुए हमले में वह लहूलुहान हो गए। घटना की जानकारी पर अन्य अधिवक्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया। घटना से आक्रोशित अधिवक्ता कोतवाली पहुंच गए और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के

अध्यक्ष नंदराम सिंह ने बताया कि सभी अधिवक्ता पीड़ित के साथ हैं। उन्होंने इसे अधिवक्ता समाज के लिए निंदनीय बताते हुए अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की। उनका कहना है कि लगातार अधिवक्ताओं पर हमले बढ़ रहे हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि अधिवक्ता की तहरीर पर आरोपी महिला पुष्पा निवासी गांव करनखाल के खिलाफ जानलेवा हमले के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी महिला का कहना है कि उसका एक मारपीट का मामला अधिवक्ता ईश्वरचंद्र के पास चल रहा था। आरोप है कि अधिवक्ता ने उसकी ओर से प्रभावी पैरवी नहीं की। जिससे वह नाराज थी।

स्मार्ट मीटर लगाने पर फिलहाल रोक, शिकायतों के बाद लिया फैसला

मुरादाबाद। प्रदेश सरकार ने बिजली विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों पर फिलहाल रोक लगा दी है। सरकार के अगले आदेश तक अब किसी भी क्षेत्र में नए स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे। यह निर्णय उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती शिकायतों और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों के बाद लिया गया है। मुरादाबाद सहित प्रदेश के कई जिलों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से चल रहा था। इस दौरान कई स्थानों से उपभोक्ताओं ने बिजली कर्मचारियों और निजी कंपनी के स्टाफ के खिलाफ अभद्र व्यवहार की शिकायतें दर्ज कराईं। आरोप है कि मीटर लगाने पहुंचे कर्मियों ने उपभोक्ताओं से ठीक तरीके से संवाद नहीं किया और कई मामलों में जबरन मीटर बदलने का प्रयास भी किया गया। उपभोक्ताओं का यह भी कहना है कि उन्हें स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली, रिचार्ज प्रक्रिया और बिलिंग सिस्टम के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई। इसके चलते कई लोग भ्रमित रहे और उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिलों में अचानक बढ़ोतरी हो गई। वहीं, कुछ मामलों में भुगतान करने के बावजूद बिजली आपूर्ति कई-कई दिनों तक बाधित रही, जिससे लोगों को भीषण गर्मी में भारी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। इन समस्याओं

को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से शिकायतें प्रदेश सरकार तक पहुंचीं तो स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य पर रोक लगाने का निर्णय लिया।

कोर्ट पहुंचा श्री काली माता मंदिर और जूना अखाड़े का विवाद

मुरादाबाद। लालबाग स्थित काली माता मंदिर और सिद्धपीठ नौ देवी प्राचीन काली मंदिर में गद्दी को लेकर चल रहा विवाद थम नहीं रहा है। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के द्वारा यहां के महंतों को हटाकर दूसरी जगह स्थानांतरित करने के बाद भी विवाद बना है। सोमवार को महंत रामगिरि ने अधिवक्ता राकेश जौहरी के माध्यम से सिविल जज सीनियर डिवीजन के न्यायालय में याचिका दाखिल की है। जिस पर सात मई को सुनवाई की तारीख नियत की गई है। महंत राम गिरि ने जूना अखाड़े के द्वारा इस महीने नौ अप्रैल को उनको महंत पद से हटाने की कार्यवाही को गलत प्रक्रिया अपनाते हुए ट्रांसफर करना बताया। इसके खिलाफ उन्होंने सिविल कोर्ट मुकदमा दर्ज कराते हुए पूरी कार्यवाही को नियम विरुद्ध बताया है। इसमें महंत राम गिरि की ओर से कहा गया है कि वह गुरु की उत्तराधिकार परंपरा के अनुसार मंदिर पर महंत तैनात हैं। दर्ज कराए गए मुकदमे में श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़े के पदाधिकारियों अध्यक्ष, सभापति, महंत हरि गिरी सहित महंत महाकाल गिरी और हितेश्वर गिरी के भी नाम शामिल किए गए हैं।महंत राम गिरि के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश जौहरी ने बताया कि जूना अखाड़े का आदेश पूर्ण रूप से गलत और आधारहीन है। उसकी कोई बाध्यता वादी राम गिरि महाराज पर नहीं है। जिस पर अगली सुनवाई होगी। अधिवक्ता राकेश जौहरी ने बताया कि जिस लेटर के माध्यम से महंत रामगिरि को हटाने की प्रक्रिया की गई वह विधिक रुप से उचित नहीं प्रतीत हो रहा है। काली माता मंदिर श्री पंचदश नाम जूना अखाड़ा वाराणसी से संचालित होती है। उनका कोई आदेश नहीं है। ऐसे में हरिद्वार से जूना अखाड़े को यहां मंदिर के महंत को हटाने का कोई अधिकार नहीं प्राप्त इहोता है। उन्होंने यह भी कहा कि काली माता मंदिर में 400 वर्ष से गुरु शिष्य परंपरा चली आ रही है। इस सिलसिले में वादी महंत रामगिरि को बाकायदा महंत घोषित किया गया था। उसे खारिज नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि सात मई को मामले में सुनवाई नियत है।

थाना गंज पुलिस ने मुठभेड़ में दो गौकशी के आरोपी किए गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

पुलिस अधीक्षक रामपुर सोमेंद्र मीना द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार रात थाना गंज पुलिस ने मुठभेड़ में गौकशी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है, दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना गंज पुलिस ने स्वार चौराहा पर संदिग्ध लोगों व वाहनों की चेकिंग के दौरान स्वार की ओर से आती एक मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया। इस दौरान मोटरसाइकिल सवार लोगों द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए चाकू चौराहा की ओर जाने वाले रास्ते पर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा बाइक सवार व्यक्तियों का पीछा किया गया, अजयपुर केसरपुर को जाने वाले रास्ते पर मोटरसाइकिल असंतुलित हो कर गिर गई। बाइक सवारों द्वारा फायरिंग करते हुए उठकर भागने का प्रयास किया गया, जिसमें मुख्य आरक्षी विशाल अहमद घायल हो गए। आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में 2 आरोपियों के पैर में गोली लगने से घायल हो गए। आरोपियों की पहचान लालू उर्फ मुकर्रम निवासी पीला तालाब थाना गंज और परवेज तीतर वाली पाखड़ थाना गंज के रुप में हुई है। आरोपी सन 2018 में थाना कलक्टर बक गंज बरेली में गोकशी करते समय एक सिपाही की हत्या करने में आरोपी परवेज शामिल रहा है। घायल मुख्य आरक्षी एवं आरोपियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। आरोपियों से दो तमंचे 315 बोर, जिंदा कारतूस के कब्जे कारतूस तथा गोकशी में प्रयुक्त होने 315 बोर, एक तमंचे की नाल में फंसा गिरफ्तारी के आधार पर आरोपियों के वाले उपकरण बरामद हुए हैं। बरामदगी व

खिलाफ थाना गंज पर 75/2026 धारा-109 बीएनएस व 3/25/27 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हम दोनों चोरी छिपे निराश्रित गौवंशीय पशुओं को पकड़कर गौकशी करने काम करते है तथा पुलिस व पब्लिक से बचने के लिये अपनी सुरक्षा के लिये अपने साथ अवैध तमंचे भी रखते है। आज भी हम गौकशी के लिए एकांत स्थान देखने आये थे। आरोपी लालू पर रामपुर जिले के विभिन्न थानों में 12 मुकदमे दर्ज है, जबकि आरोपी परवेज पर 8 मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में पवन कुमार शर्मा प्रभारी निरीक्षक थाना गंज, उपनिरीक्षक मुकेश कुमार, उप निरीक्षक राहुल कुमार गंगवार, उप निरीक्षक राहुल सिंह, उप निरक्षक हिमांशु सिंघल, हेड कांस्टेबल सतपाल, हेड कांस्टेबल दिग्विजय, हेड कांस्टेबल शाहनवाज व विशाल अहमद शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

गंगा एक्सप्रेस-वे चालू होने से संभल के विकास को मिलेगी नई रफ्तार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को हरदोई से गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करेंगे। इस मेगा परियोजना के शुरू होने से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच आवागमन बेहद सुगम हो जाएगा। वहीं संभल जनपद के आर्थिक और औद्योगिक विकास को भी नई

गति मिलने की उम्मीद है। जनपद संभल में लहरावन इंटरचेंज के पास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण होगा, जिसमें पांच हजार से अधिक लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है।गंगा एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज तक लगभग 594 किलोमीटर लंबा सिक्स लेन एक्सप्रेस-वे है, जिसे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। इस एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की अधिकतम गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, जबकि भारी वाहनों के लिए 80 किलोमीटर प्रति घंटा की सीमा तय की गई है। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए पूरे एक्सप्रेस-वे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और ओवरस्पीडिंग पर ऑटोमेटिक चालान की व्यवस्था की गई है। दोपहिया वाहनों का संचालन इस मार्ग पर पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। संभल जनपद में गंगा एक्सप्रेस-वे करीब 38.650 किलोमीटर लंबाई में चैनज 92 से 131 के बीच गुजर रहा है। इसके निर्माण के लिए जिले के 31 गांवों की भूमि अधिग्रहित की गई है। जनपद में दो प्रमुख इंटरचेंज बनाए गए हैं, जिनमें खिरनी मोहिद्दीनपुर (चैनज 102) और लहरावन (चैनज 123) शामिल हैं। लहरावन कट के समीप अचलपुर गांव में स्थानीय स्तर पर उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की तैयारी है।डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की दूरी लगभग 160 किलोमीटर रह जाएगी। इसके चलते नोएडा तक की दूरी लगभग डेढ़ घंटे, दिल्ली दो घंटे, लखनऊ करीब तीन घंटे और बरेली लगभग सवा घंटे में तय की जा सकेगी। इससे व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए खिरनी क्षेत्र में 239 हेक्टेयर भूमि पर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। भविष्य में 300 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की योजना भी है। इस कॉरिडोर के विकसित होने से फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री सहित विभिन्न उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। एक्सप्रेस-वे को पूरी तरह पुलिस के नियंत्रण में ले लिया गया है और कार्यक्रम संपन्न होने तक किसी भी प्रकार के वाहन के संचालन पर रोक रहेगी। स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम का संचालन यूपी सरकार के होमगार्ड राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर जर्मन हैंगर लगाया गया है और विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

भीषण गर्मी में प्रशासन का बड़ा कदम – जनता दर्शन में अब मिलेगी ठंडक और राहत!

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आमजन की सुविधा के लिए सराहनीय पहल की है। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित होने वाले जनता दर्शन में आने वाले लोगों के लिए शीतल पेय पदार्थ, ठंडा पानी और ओआरएस की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जनता दर्शन में पहुंचने वाले नागरिकों को अब गर्मी से राहत देने के लिए पर्याप्त पेयजल और शीतल पेय उपलब्ध कराया

जा रहा है। साथ ही ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) की व्यवस्था भी की गई है, जिससे लू और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं से बचाव हो सके।

इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे इन व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि हर व्यक्ति को सुविधाएं आसानी से मिलें। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि गर्मी के इस मौसम में विशेष सावधानी बरतें, अधिक पानी पिएं और बिना जरूरत तेज धूप में बाहर निकलने से बचें।

अवैध खनन पर डीएम का सख्त एक्शन – लापरवाही पर कटेगा वेतन, ओवरलोड वाहनों पर भी कड़ा शिकंजा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में अवैध खनन और ओवरलोड परिवहन पर लगाम कसने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में टास्क फोर्स की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें कई बड़े निर्देश जारी किए गए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उत्तराखंड से आने वाले उपखनिज से भरे वाहनों की आईएसटीपी पर कड़ी और बिना लापरवाही के जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि ड्यूटी में लापरवाही या समय से अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी का उस दिन का वेतन काटा जाएगा। गौरतलब है कि हाल ही में डीएम द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में कुछ अधिकारी ड्यूटी से गायब मिले थे, जिनके खिलाफ स्पष्टीकरण जारी कर कार्रवाई की जा रही है। इस पर सख्ती दिखाते हुए जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर भी अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

इसके अलावा, जिले में ओवरलोड वाहनों पर भी प्रशासन ने शिकंजा कस दिया है। आरटीओ प्रवर्तन को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी हालत में ओवरलोडिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लगातार सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए।

बैठक में आरटीओ प्रवर्तन वैभव सोती सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

खेतों में लगी आग, किसानों को मिली राहत

प्रशासन द्वारा 40 लाख से अधिक की सहायता राशि वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली, बहेड़ी। कृषि उत्पादन मण्डी समिति बहेड़ी के सचिव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बुधवार को तहसील बहेड़ी के सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री खेत-खलिहान अग्निकाण्ड दुर्घटना सहायता योजना के तहत आग से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख दमखोदा दुष्यंत गंगवार, ब्लॉक प्रमुख बहेड़ी अमरेन्द्र सिंह गोल्डी, उपजिलाधिकारी एवं सभापति सुश्री इशिता किशोर, मण्डी सचिव नरेन्द्र कुमार गंगवार, तहसीलदार भानुप्रताप और नायब तहसीलदार दिवाकर सिंह मौजूद रहे।

इस दौरान ग्राम सिंगौथी, बहादुरपुर, बसुधरन जागीर और भूसापुर उर्फ घाट गांव के कुल 246 किसानों को उनकी खड़ी गेहूं की फसल में आग लगने से हुए नुकसान के लिए ?40,23,130 की सहायता राशि के चेक वितरित किए गए।

अधिकारियों ने किसानों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और ऐसी आपदाओं में उन्हें राहत पहुंचाना प्राथमिकता है। इस मौके पर किसानों के चेहरे पर राहत साफ नजर आई और उन्होंने शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

बाकरगंज स्लम एरिया में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

शिक्षा व नशा मुक्ति पर जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में बुधवार को थाना किला क्षेत्र के मोहल्ला बाकरगंज स्थित स्लम एरिया में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्रवासियों को विभिन्न कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।

इस दौरान उपस्थित लोगों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जो 1 अप्रैल 2010 से संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत लागू है। बताया गया कि इस कानून के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त है। साथ ही 25 प्रतिशत आरक्षण के तहत गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए निजी विद्यालयों में सीटें आरक्षित किए जाने की जानकारी भी दी गई।

शिविर में अभिभावकों को विशेष रूप से अपनी बेटियों को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा नशा मुक्ति पर जोर देते हुए लोगों से किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। बताया गया कि नशा अपराध की जड़ है, जिससे हत्या जैसे गंभीर अपराध भी जन्म लेते हैं।

कार्यक्रम में आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली लोक अदालत के बारे में भी जानकारी दी गई, जिससे लोग अपने विवादों का निस्तारण सरल व सुलभ तरीके से करा सकें। इसके साथ ही विभिन्न टोल फ्री नंबरों जैसे 1090, 1076, 112, 181, 1098, 1930, 139, 15100, नालसा हेल्पलाइन एवं जिला कंट्रोल रूम के बारे में विस्तार से बताया गया।शिविर में अधिकार मित्र सपना द्विवेदी एवं वंदना सिंह, पार्षद हर्ष कुमारी, कुमकुम शर्मा, कमलजीत कौर सहित लगभग सौ से अधिक लोग उपस्थित रहे।

SSP अनुराग आर्य का बड़ा एक्शन : अपराधियों पर कसा शिकंजा, 67 हिस्ट्रीशीटर निगरानी में

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में कानून-व्यवस्था को सख्त बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में गौकशी, नकबजनी, धोखाधड़ी, हत्या, जुआ, लूट, डकैती, चोरी और NDPS एक्ट जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त कुल 67 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोल दी गई है।

इन सभी अपराधियों को अब पुलिस की कड़ी निगरानी में रखा जाएगा। संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की नियमित चेकिंग, सत्यापन और गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही उनके आवागमन, संगति और संदिग्ध गतिविधियों की लगातार रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

एसएसपी ने स्पष्ट कहा कि जनपद में किसी भी प्रकार के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण और उनकी हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि कोई हिस्ट्रीशीटर दोबारा अपराध में लिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

'विकास' के नाम पर घोटाले का आरोप, कागजों में रोशनी–जमीनी हकीकत में अंधेरा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - स्ट्रीट लाइट व हैंडपंप रिबोर में लाखों खर्च दिखाए, ग्रामीणों ने उठाए सवाल; जांच की मांग तेज

पीलीभीत जनपद के अमरिया विकासखंड की ग्राम पंचायत गूलरबोझ में विकास कार्यों के नाम पर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्ट्रीट लाइट और हैंडपंप रिबोर जैसे आवश्यक कार्यों में लाखों रुपये खर्च दिखाए गए, जबकि जमीनी स्तर पर इन कार्यों की स्थिति संतोषजनक नहीं है।

ग्रामीणों के अनुसार पंचायत अभिलेखों वित्तीय वर्ष 2021-22 और 2022-23 में गांव को स्ट्रीट लाइट से पूर्ण रूप से रोशन दिखाया गया है, लेकिन कई स्थानों पर या तो लाइटें लगी ही नहीं हैं या खराब गुणवत्ता की हैं, जिससे वे काम नहीं कर रही हैं। इस दौरान ग्राम प्रधान आरिफ अली और ग्राम विकास अधिकारी मानेंद्र गंगवार की मिली भगत से प्रकाश व्यवस्था के नाम पर लाखों रुपए ठिकाने लगा दिए गए।

इसी तरह हैंडपंप रिबोर के नाम पर लगभग पांच लाख रुपये खर्च दर्शाए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद गांव में पेयजल संकट बना हुआ है। कई हैंडपंप खराब पड़े हैं और लोगों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विकास कार्यों में फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में संबंधित अधिकारियों का कहना है कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच कराई जाएगी और अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बासमती निर्यात केंद्र से पीलीभीत को मिलेगी नई पहचान, निर्माण कार्य में तेजी के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत - पीलीभीत। जनपद में प्रस्तावित बासमती निर्यात विकास केंद्र को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की पहल पर केंद्रित वाणिज्य मंत्रालय की इकाई एपिडा को सात एकड़ भूमि लीज पर उपलब्ध कराई गई है, जहां देश का दूसरा बासमती निर्यात विकास केंद्र स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कर समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगी, इसलिए कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद द्वारा पीलीभीत को बासमती निर्यात के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।उन्होंने कहा कि केंद्र की स्थापना से किसानों को उन्नत प्रजातियों के बीज, आधुनिक तकनीक और विपणन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलने से किसानों की आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।निरीक्षण के दौरान विधायक ने कृषि विभाग की हाईटेक नर्सरी का भी अवलोकन किया और वहां तैयार पौधों की गुणवत्ता एवं उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली।इस अवसर पर किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने बलविंदर सिंह बरार के नेतृत्व में परियोजना को टांडा क्षेत्र में स्थापित कराने पर आभार जताया।कार्यक्रम में राज्यमंत्री के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल, भाजपा जिला महामंत्री महादेव गाइन, न्यूरिया मंडल अध्यक्ष महेंद्र राजपूत, जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल सिंह, प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी रामेश्वर दयाल गंगवार, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक एस.एस. ढाका, मनजिंदर सिंह, ललित पटेल, राजेंद्र बरार, प्रमोद भास्कर, डालचंद्र, हुजूर सिंह, प्रतिपाल सिंह, बलविंदर सिंह सहित दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रोजी रोटी के लिए बाहर गए मालिक मकान पड़ोसियों ने दावगंगई द्वारा मकान पर क़ब्ज़ा करने का किया प्रयास

क्यूँ न लिखूँ सच/ सिकंदर राजा / उत्तर प्रदेश जिला मुरादाबाद मैं स्नेहलता पत्नी सुबोध सक्सैना निवासी चाऊ की बस्ती प्लेटफार्म नं0-6 के सामने निवास करती हूँ। हम लोग अपने परिवार के साथ रोजी-रोटी कमाने हेतु कुछ वर्ष पहले रुद्रपुर चले गये थे। इस मकान में हमारे दो देवर अतुल सक्सैना एवम अवोध सक्सैना अपने परिवार के साथ रह रहे थे। हमने अपने हिस्से में एक किरायेदार रख दिया था। कुछ समय पहले हमारे दोनों देवरों ने अपने-अपने हिस्से पड़ोस में रहने बाली रेखा सक्सैना पत्नी कौशल को बेच दिया। मकान कुल 131 गज में है। मकान का हिस्सा बटवारा हमारी सास द्वारा नोटरी पब्लिक अटेस्ट कराकर दिये थे। पिछला हिस्सा दो मंजिला मकान जगह 40 गज अतुल सक्सैना और बीच का हिस्सा बगैर बना जगह 51 गज अवोध सक्सेना को और आगे का हिस्सा 40 गज मेरे पति सुबोध के नाम कर दी थी। जिसके कागज मेरे पास मौजूद हैं। अब कौशल सक्सैना जो कि एक दबंग व्यक्ति हैं। वह व उसका भाई हमारे घर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। एक हफ्ते पहले उन्होंने ऊपर रह रहे किरायेदार को घर में कैद कर दिया था। जिसकी वीडियो उपलब्ध है। शौचालय में ताला डाल दिया है। मेन गेट में ताला डाल दिया है। लाईट काट दी है। पीने के पानी नल का हत्था निकाल लिया है। जीने में खूँखार कुत्ता छोड़ दिया है। यह परिवार डर के साये में रह रहा है। दूसरे पड़ोसी के मकान में उतर कर जा रहे हैं और शौचालय करने के लिए परिवार रेलवे स्टेशन पर जाने को मजबूर है। उसकी दबंगई का यह आलम है कि सम्बन्धित पुलिस चौकी पर तहरीर देने के बाद भी उसने उनकी एक न सुनी हम हर जगह फरियाद करते-करते हार गये हैं। वह चाहता है कि यह किरायेदार यहाँ से भाग जाए19 4.26 को हम अपने मकान में सफाई कर रहे थे तभी दबंग ने आकर मेरे और मेरी बेटी व बेटी के साथ बदतमीजी की जिसमें हमने 112 बुलाई और पुलिस ने पीड़ित को ही 151 में चालान कर दिया

बदायूं-बरेली मार्ग छेत्र में जमीन की कीमतों ने भी भरी उड़ान पांच गुना तक बढ़े दाम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। गंगा एक्सप्रेसवे ने बदायूं और शाहजहांपुर के किसानों की आर्थिक तस्वीर बदलनी शुरू कर दी है। जहां कभी खेतों की जमीन सीमित कीमत पर बिकती थी, वहीं अब एक्सप्रेसवे और प्रस्तावित औद्योगिक गलियारों के चलते जमीन के दाम चार से पांच गुना तक बढ़ गए हैं। बरेली के भमोरा में 1000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर औद्योगिक गलियारे की योजना ने आसपास के गांवों को निवेश के केंद्र में ला दिया है। एक्सप्रेसवे से नजदीकी वाले गांवों भमोरा, पखुर्न, कुड्डा, मकरंदपुर ताराचंद, भीकमपुर और हजरतपुर में कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल आया है। वहीं दूसरी ओर गांवों के आसपास टाउनशिप, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं विकसित होने की उम्मीद भी बढ़ने लगी हैं। बदायूं, बरेली और शाहजहांपुर के गांव अब सिर्फ उत्पादन केंद्र नहीं रहेंगे, बल्कि सीधे बाजार से जुड़ते हुए लोकल टू ग्लोबल सप्लाई चेन का हिस्सा बनते दिख रहे हैं। गंगा एक्सप्रेसवे के आसपास विकसित हो रहे लॉजिस्टिक हब, वेयरहाउस और औद्योगिक इकाइयों के कारण किसानों को अब अपनी उपज बेचने के लिए दूर शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। किसानों को अब अपनी उपज बेचने के लिए दूर शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा स्थानीय स्तर पर ही खरीद केंद्र, संग्रहण इकाइयां और प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित होने से गांव में ही वाजार जैसी व्यवस्था मजबूत होगी। क्षेत्र में प्रस्तावित फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क से किसानों को अपनी उपज लंबे समय तक सुरक्षित रखने और बेहतर कीमत पर बेचने का अवसर मिलेगा। इससे खासकर आलू, गेहूं, गन्ना और सब्जी उत्पादक किसानों को सीधा लाभ होगा। बरेली-मथुरा हाईवे का काम पूरा होने का इंतजार- बरेली-मथुरा हाईवे के चौड़ीकरण के साथ भमोरा-देवचरा बाइपास का निर्माण चल रहा है। देवचरा-दातागंज और भमोरा-आंवला मार्ग पर फ्लाईओवर भी बनाए जा रहे हैं। बरेली-मथुरा नेशनल हाईवे का काम पूरा होने के बाद गंगा एक्सप्रेस-वे से बरेली सीधे कनेक्ट हो जाएगा। इसके बाद विकास का पहिया घूमेगा और रोजगार के हजारों अवसर पैदा होंगे। भमोरा क्षेत्र में विकसित किया जाएगा औद्योगिक गलियारा बरेली के आंवला तहसील क्षेत्र के भमोरा में औद्योगिक गलियारे की तैयारी है। यहां इसके लिए भूमि चिह्नित भी कर ली गई है। हाल ही में यूपीडा के अफसरों ने इसका निरीक्षण कर इसे हरी झंडी दे दी है मतलब, यह जमीन औद्योगिक गलियारे के लिए मुफीद मानी गई है। अब निवेशकों ने इसमें रुचि दिखानी शुरू कर दी है।

बरेली में लखनऊ पब्लिक स्कूल शाखा का आज भव्य उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की दिशा में एक और सशक्त कदम बढ़ाते हुए लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस अपनी 16 वीं नवीन शाखा का शुभारंभ बरेली में करने जा रहा है। सेक्टर-3, रामगंगानगर आवासीय योजना में नवनिर्मित लखनऊ पब्लिक स्कूल, बरेली शाखा का उद्घाटन आज 30 अप्रैल को अपरान्ह 4=00 बजे उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कर-कमलों द्वारा संपन्न होगा।

इस गरिमामयी अवसर पर झारखंड के माननीय राज्यपाल संतोष गंगवार अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही कार्यक्रम में छत्रपाल सिंह गंगवार (सांसद, बरेली), नीरज मौर्य (सांसद, आंवला), डॉ. उमेश गौतम (माननीय महापौर, बरेली), रश्मि पटेल (जिला पंचायत अध्यक्ष), प्रो0 के. पी. सिंह कुलपति, महात्मा ज्योतिबा फुले, रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली,अनूप पटेल (प्रदेश अध्यक्ष, जदयू), तथा कांति सिंह (पूर्व एमएलसी) सहित अनेक विशिष्ट जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

इसके अतिरिक्त संस्थान के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, जनरल मैनेजर हर्षित सिंह एवं शिखरपाल सिंह, डायरेक्टर्स नेहा सिंह, गरिमा सिंह, व निकिता सिंह, प्रधानाचार्य रवनीत सिंह नागी एवं प्रताप सिंह सहित शिक्षाविदों की उपस्थिति इस अवसर को और भी गरिमामयी बनाएगी।

देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. एस.पी. सिंह. पटेल (सांसद-प्रतापगढ़) द्वारा वर्ष 1983 में स्थापित लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस समूह आज शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, अनुशासन और नवाचार का पर्याय बन चुका है। उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली में इसकी 16 शाखाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं और बरेली शाखा इस समूह की 16वीं कड़ी के रूप में जुड़ रही है।

यहां -स्मार्ट क्लासरूम एवं डिजिटल लर्निंग, उन्नत विज्ञान, रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब, मृद्ध पुस्तकालय एवं नवाचार केंद्र, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की उत्कृष्ट व्यवस्था उपलब्ध कराई गई हैं।

साथ ही ब्रिटेन के शिक्षाविदों की विशेषज्ञ टीम द्वारा शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे शिक्षण गुणवत्ता वैश्विक मानकों के अनुरूप बनी रहे।

लखनऊ पब्लिक स्कूल शिक्षकों के समग्र विकास हेतु उन्हें समय-समय पर विदेशों के शैक्षिक भ्रमण पर भेजता है। इन भ्रमणों के दौरान शिक्षक वहाँ के विद्यालयों की शैक्षिक संस्कृति, आधुनिक तकनीकों एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों का अध्ययन करते हैं।

प्राप्त अनुभवों एवं नवाचारों को हमारे विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा मिल सके। यह उद्घाटन केवल एक विद्यालय का शुभारंभ नहीं, बल्कि एक ऐसे शैक्षिक दृष्टिकोण का विस्तार है जो गुड टू ग्रेट की यात्रा को साकार कर रहा है।

लखनऊ पब्लिक स्कूल, बरेली आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और वैश्विक पहचान का सशक्त प्रतीक बनेगा।

14 साल में 630 करोड़ से 2184 करोड़... फिर भी अधूरी, बदायूं सिंचाई परियोजना बनी सफेद हाथी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली, बदायूं । बरेली और बदायूं के करीब साढ़े तीन सौ गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी देने का सपना दिखाने वाली बदायूं सिंचाई परियोजना आज भी अधूरी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि इस परियोजना पर पिछले 14 साल में करीब 630 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन काम अब भी ठप जैसी स्थिति में है।

परियोजना को पूरा करने के लिए अब करीब 1554.50 करोड़ रुपये और चाहिए, जिसके लिए पिछले साल पुनरीक्षित बजट का प्रस्ताव केंद्रीय जल आयोग को भेजा गया था, लेकिन उसे मंजूरी नहीं मिल सकी। इसी कारण यह योजना अब तक पूरी नहीं हो पाई है।

साल 2011 में इस परियोजना की शुरुआत महज 332 करोड़ रुपये से हुई थी। सत्ता बदलने के बाद बजट रिवाइज हुआ और लागत बढ़कर 630 करोड़ हो गई।

2015 में अवशेष बजट जारी होने के बाद कुछ काम जरूर हुआ-311 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हुआ और रामगंगा नदी पर बैराज के साथ 12-12 किमी लंबे एफलक्स बनाए

गए

लेकिन 2018 के बाद बजट की कमी के कारण काम रुक गया और परियोजना अधर में लटक गई।

सत्ता परिवर्तन के साथ ही इस परियोजना की रफ्तार भी बदलती रही।

2017 के बाद जब नई सरकार आई तो लागत फिर बढ़ती गई और 2019 तक यह परियोजना 2100 करोड़ के पार पहुंच गई। शुरुआत में जमीन का मुआवजा सरकारी दरों पर दिया जा रहा था, लेकिन 2015 के बाद किसानों ने चार गुना मुआवजे की मांग की। इसी के चलते परियोजना की लागत में भारी उछाल आया और बजट बार-बार बढ़ता गया।

अब यह परियोजना करीब 2184 करोड़ रुपये की हो चुकी है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि किसानों को अब तक इसका पूरा लाभ नहीं मिल पाया।

सिंगल क्लिक से पेंशन वितरण: विदिशा जिले के 1.16 लाख से अधिक हितग्राहियों के खातों में पहुंची 6.97 करोड़ रुपये की राशि

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा आज मंत्रालय, भोपाल स्थित प्रतिकक्ष से सिंगल क्लिक के माध्यम से पेंशन राशि का वितरण किया गया। यह राशि माह मार्च (अप्रैल 2026 में देय) की पेंशन के रूप में प्रदेशभर के हितग्राहियों को सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी निर्धन, निराश्रित, वृद्धजनों, कल्याणी, परित्यक्ता, अविवाहिता एवं दिव्यांगजनों के कल्याण एवं आर्थिक सहायता के लिए विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जाने वाली यह सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, यह सरकार के उस विश्वास का अंतरण है, जो इस बात का प्रतीक है कि सरकार हर परिस्थिति में हर घड़ी जरूरतमंदों के साथ खड़ी है।

उपरोक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने सुनने के प्रबंध विदिशा जिला मुख्यालय पर सुनिश्चित किए गए थे।

विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में इस अवसर पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता तथा लाभान्वित हितग्राहियों के साथ साथ अन्य

विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। राज्य के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से इस पहल के अंतर्गत समाज के निर्धन एवं निराश्रित वर्गों जैसे वृद्धजन, विधवाएं, परित्यक्त महिलाएं, अविवाहिताएं एवं दिव्यांगजन को संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

विदिशा जिले में कुल 1,16,246 हितग्राहियों को प्रति हितग्राही 600 रुपये के मान से कुल 6 करोड़ 97 लाख 47 हजार 600 रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे खातों में भेजी गई।

यह व्यवस्था पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ हितग्राहियों को बिना किसी परेशानी के आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शासन की इस डिजिटल पहल से जरूरतमंद वर्ग को समय पर सहायता मिल रही है, जिससे उनके जीवनयापन में सहूलियत हो रही है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा उपलब्ध जानकारी अनुसार आज जिन पेंशन हितग्राहियों को राशि जारी हुई है उनमें मंदबुद्धि बहु विकलांग आर्थिक सहायता के 2091 हितग्राही, मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना की 23763 हितग्राही, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 54025 हितग्राही, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक्त पेंशन योजना के 1231 हितग्राही, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना की 14795 हितग्राही, कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 943 हितग्राही, मुख्यमंत्री अविवाहत पेंशन योजना के 44 हितग्राही, सामाजिक सुरक्षा विधवा या परित्यक्ता पेंशन योजना के 418 हितग्राही, सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना के 4303 हितग्राही, सामाजिक सुरक्षा पेंशन वृद्धा आश्रम के 01 हितग्राही, सामाजिक सुरक्षा निशक्त पेंशन योजना के 11698 हितग्राही और दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता राशि के 2934 हितग्राही शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

उप चुनाव घोषित नहीं होने से दावेदारों में मायूसी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राज्य निर्वाचन आयोग ने हाल ही में प्रयागराज नगर निगम के अलावा बदायूं, शाहजहांपुर नगर निकायों में उप चुनाव की घोषणा करते हुए अधिसूचना जारी की है, लेकिन बरेली नगर निगम और 19 निकायों को लेकर कोई सूचना जारी नहीं की गयी। बरेली नगर निगम में तीन पार्षद और निकायों में एक दर्जन से ज्यादा सभासद की सीटें रिक्त चल रही हैं। उप चुनाव की उम्मीद पाले दावेदारों में मायूसी छा गई है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से 7 और 8 अप्रैल को कई नगर निकायों में उप चुनाव की अधिसूचना जारी की गयी है जिसमें बरेली नगर निगम को शामिल नहीं किया गया। बरेली के वार्ड संख्या तीन छोटी विहार की पार्षद संजू देवी, वार्ड संख्या 50 जनकपुरी के पार्षद आर्यंद्र अरोड़ा कुक्की, वार्ड संख्या 66 बजरिया पूरन मल के पार्षद संजय राय का काफी समय पहले निधन हो गया। इन सीटों पर कई दावेदार उप चुनाव का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अधिसूचना में बरेली का नाम शामिल न होने पर दावेदार निराश हो गए। सहायक निर्वाचन अधिकारी सतीश मौर्य ने बताया कि बरेली में उप चुनाव कराने को लेकर अधिसूचना जारी नहीं हुई है। आगे कब होगी, इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता है।

दोस्त की हत्या का तीसरा आरोपी सरेंडर करके गया जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। दोस्त की हत्या में वांछित एक आरोपी मंगलवार को कोर्ट में सरेंडर करके जेल चला गया। कैंट पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। कैंट के नकटिया निवासी निजी कंपनी के मैनेजर 26 वर्षीय रजनीश प्रसाद को 30 अक्तूबर 2025 की रात पास में ही रहने वाले दोस्त शेखर उर्फ शिखर तोमर, हर्ष यादव उर्फ हैप्पी और शकील अपने साथ पार्टी करने ले गए थे। शिखर व हर्ष कार और शकील बाइक से पहुंचे थे। रात करीब 11 बजे तीनों रजनीश को घर के बाहर बेहोशी की हालत में डालकर चले गए और अस्पताल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। महज 25 हजार हजम करने के लिए दोस्तों ने खालिक की हत्या कर शव दफनाया इस मामले में रजनीश की मां अनीता देवी ने कोर्ट के आदेश पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पिछले दिनों पुलिस ने शिखर तोमर और हर्ष यादव उर्फ हैप्पी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। शेरगढ़ के गांव बैरमनगर गौटिया निवासी शकील वांछित चल रहा था लेकिन मंगलवार को वह कोर्ट में सरेंडर करके जेल चला गया। इंस्पेक्टर संजय धीर ने बताया कि उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

बंदरों के उत्पात से नागरिकों की जान पर आफत, कई को काटकर किया जख्मी

मुरादाबाद । बंदर शहरी आबादी में नागरिकों की जान पर आफत बने हैं। वेव ग्रीन कॉलोनी और आशियाना फेज एक और दो में बंदरों का झुंड उत्पात मचा रहा है। वह लोगों को काटकर जख्मी कर रहे हैं। साथ ही खाने की सामग्री को छीनने के लिए वह झपट्टा मार रहे हैं। जिससे हड़बड़ाहट में लोग गिरकर भी चोटिल हो जा रहे हैं। पॉश इलाके की कॉलोनी वेव ग्रीन, एमडीए की कॉलोनी आशियाना फेज एक और दो के अलावा रामगंगा विहार, कांठ रोड की अन्य कॉलोनियों में बंदरों का उत्पात जारी है। बंदर झुंड में घरों की बालकनी, छत, दरवाजे, पार्क में पहुंचकर लोगों को जख्मी कर रहे हैं। लोग अपनी सुरक्षा के लिए घरों की बालकनी को जाली से ढक रहे हैं। जिससे बंदरों का झुंड उनके घर में आकर उत्पात न करे। बंदरों का झुंड कॉलोनियों के पार्क में भी सुबह और शाम को पहुंच रहे हैं। उनके घर से बच्चे और बुजुर्ग सार्वजनिक पार्क में जाने से कतरा रहे हैं। इसके अलावा कई बार मुख्य मार्ग भी अचानक बंदर दौड़ लगा देते हैं जिससे वाहन चालक असंतुलित होकर चोटिल हो रहे हैं। वेवग्रीन सोसाइटी में बंदरों के आतंक से लोग सहमे हैं। भूपेंद्र सिंह, ओमप्रकाश अग्रवाल आदि को बंदरों से काटकर जख्मी कर दिया है। जिससे उनके सहित कॉलोनी के अन्य लोग भी भयभीत हैं। वहीं वन विभाग और नगर निगम एक दूसरे पर जिम्मेदारी मढ़ रहे हैं। विभागों की रस्साकसी में लोग बंदरों के उत्पात से जख्मी हो रहे हैं।अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने बताया कि प्रमुख सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के द्वारा स्पष्ट रुप से आदेश जारी किया गया था कि बंदरों के प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी उनके विभाग की है। इसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का भी उल्लेख किया गया है। इसके आधार पर नगर विकास विभाग को इसमें केवल सहयोग प्रदान करना है। बंदरों को पकड़ने का काम वन विभाग का है। नगर निगम इसमें सहयोग करने को हमेशा तैयार है। लेकिन वन विभाग अपनी जिम्मेदारी से कैसे पीछे हट सकता है।डीएफओ अविनाश पांडेय के मुताबिक बंदरों का झुंड कहीं से शहरी क्षेत्र में आ गया है। पेट भरने के लिए आबादी क्षेत्र में उन्हें रोटी, मूंगफली, चना आदि मिल जाता है।

डीपीएन पब्लिक स्कूल रबा भेंड़ में एनुअल फंगसन कार्यक्रम आयोजित

मुख्य अतिथि विमल दुबे कमिश्नर झांसी मौजूद रहे

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ कोंच(जालौन) तहसील के ग्राम रवा भेंड़ में स्थित डीपीएन पब्लिक स्कूल में एनुअल फंगसन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विमल दुबे कमिश्नर झांसी मंडल झांसी सीडीओ जालौन केके सिंह एडीएम एफ आर जालौन संजय कुमार एसडीएम जालौन हेमंत पटेल एसडीएम कोंच ज्योति सिंह डीसी मनरेगा रामेंद्र प्रताप सिंह बीडीओ नदीगांव गजेंद्र प्रताप सिंह एमएलसी के प्रतिनिधि आरपी निरंजन आदि मंचस्थ रहे इस कार्य क्रम की अध्यक्षता एमएलसी श्री मती रमा आरपी निरंजन ने की अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पूजन अर्चन कर दीप प्रज्वलन किया गया इसके बाद बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया इस कार्यक्रम में अतिथियों का स्कूल की डायरेक्टर श्री मति प्रज्ञा निरंजन प्रिंसिपल अर्पित त्रिपाठी वाइस प्रिंसिपल आशुतोष त्रिपाठी कोआडिनेटर आकाश पटेल आदि ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया इस अवसर पर बच्चों ने कई सांस्कृतिक मनमोहक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी इस दौरान मुख्य अतिथि कमिश्नर झांसी विमल दुबे ने कहा कि इस तरह के बच्चों के अच्छे कार्यक्रम देखकर मुझे काफी अच्छा लगा है यहां स्कूल के शिक्षकों ने बच्चों को कार्यक्रम सिखाने में काफी मेहनत की उन्होंने स्कूल के कई मेधावी छात्र छात्राओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही एमएलसी रमा निरंजन ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में उनका प्रयास सफल हो रहा है गांवों में अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के प्रति वह काफी सजग रहते है उन्होंने कहा कि इस संस्था में बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले यही उनका सपना है शिक्षा से ही सब कुछ हासिल हो सकता है इस अवसर अमित प्रकाश निरंजन जेई चौकी इंचार्ज सुशील कुमार गांव के प्रधान मुलायम सिंह कुशवाहा पचीपुरा कलां के प्रधान नन्द किशोर पटेल चमरसेना गांव प्रधान देवेंद्र निरंजन देवू महेंद्र निरंजन मिस्टर धनोरा नगर पालिका परिषद कोंच के सभासद सादाब अंसारी राजीव निरंजन वर्द सूर्य नायक जिलाध्यक्ष स्कूल की शिक्षिकाये मांडवी पटेल शिल्पी सपना दानिश शिवानी निश्चल दीपक दीपा कुलदीप भूमि असिता उमंग काशी भार्गव अभिनव गौरवी महक आरबी पार्थिव सृष्टि अभी व्योम दीक्षा प्रिंस हर्ष मानवी श्रेष्ठि सोहन कार्तिक अश्वी आराध्या अनुष्का पिंकी सहित कई छात्र छात्राएं मौजूद रही

स्मार्ट मीटर पर बवाल: सदर विधायक ने उठाई आवाज, पुराने मीटर बहाल करने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ कोंच(जालौन) । जनपद में लगाए जा रहे प्रीपेड स्मार्ट मीटरों को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है। सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था को आम जनता के लिए परेशानी का कारण बताते हुए इसके खिलाफ खुलकर आवाज उठाई है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति को पत्र भेजकर स्मार्ट मीटर प्रणाली समाप्त कर पुराने मीटर पुन: लागू करने की मांग की है। विधायक ने कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर गरीब, मजदूर और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं। रिचार्ज खत्म होते ही बिजली आपूर्ति तत्काल बंद हो जाती है, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार रात के समय या आपात परिस्थितियों में बिजली कटना गंभीर समस्या बन जाता है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अचानक बढ़ोतरी हुई है। गलत रीडिंग, अधिक यूनिट दिखने और बार-बार रिचार्ज की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि पुराने मीटरों की तुलना में स्मार्ट मीटर अधिक खर्चीले साबित हो रहे हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि कई इलाकों में उपभोक्ताओं की जानकारी या सहमति के बिना ही स्मार्ट मीटर लगाए गए, जिससे जनता में रोष बढ़ा है। विधायक ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन बताया।उन्होंने सरकार से मांग की कि स्मार्ट मीटर योजना की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जब तक जांच पूरी न हो तब तक इसकी प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए और जनता को राहत देने के लिए पुराने मीटर फिर से लगाए जाएं।

हेलमेट जागरूकता अभियान: यातायात पुलिस ने किसानों और चालकों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी।पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेशभर में चलाए जा रहे हेलमेट जागरूकता अभियान के तहत शिवपुरी यातायात पुलिस ने सक्रिय पहल करते हुए लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में बुधवार को यातायात पुलिस द्वारा ब्लैकस्पॉट पिपरसमा चौराहा एवं पिपरसमा कृषि मंडी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान किसानों, राहगीरों तथा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को रोककर उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

अभियान के दौरान पुलिस टीम ने लोगों को हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में समझाइश देते हुए बताया कि हेलमेट न केवल कानूनी अनिवार्यता है, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन रक्षक भी साबित होता है। अधिकारियों ने दोपहिया चालकों से अपील की कि वे स्वयं भी हेलमेट पहनें और अपने परिवार के सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

यातायात पुलिस द्वारा चलाया गया यह जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

संक्षिप्त समाचार

बढ़ते तापमान से लोगो की सेहत हुई खराब

क्यूँ न लिखूँ सच/अनिल कुमार / गंज बासौदा - बढ़ते तापमान में मानव स्वास्थ के प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ा है द्य लोगो का घर से निकलना मुश्किल हो गया है द्य गंज बासौदा के शासकीय अस्तपताल में उलटी, दस्त,चक्कर, बुखारों के मरीजों की संख्या में तेजी आई है द्य जनहित में डॉक्टरों ने मानव स्वास्थ के प्रति सकारात्मक सुझाव दिया है की तेज धुप में घर से अनावश्यक बाहर ना जाये एवं मौसमी फल, सदा खाना, अधिक मात्रा में ठंडे जल का सेवन करें

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से पेंशन राशि वितरण की

क्यूँ न लिखूँ सच/ अनिल कुमार /मध्यसप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से दिनांक 29-04-2026 को माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव जी द्वारा मंत्रालय भोपाल स्थित प्रतिकक्ष से सिंगल क्लिक के माध्यम से माह मार्च पेड इन अप्रेल 2026 की राज्य शासन की पेंशन राशि वितरण की गई है। जिसमें समाज के निर्धनों एवं निराश्रितों यथा बृद्धजनों कल्याणीयों परित्यागताओं अविवाहिताओं एवं दिव्यांगजनों इत्यादि के लिये पेंशन योजनांए संचालित की जा रही है। जिसके अन्तर्गत विदिशा जिले के कुल 116246 हितग्राहियों को रू. 600 के मान से कुल राशि रू. 69747600 सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में प्रदाय की गई है। विदिशा से जुड़े ऑनलाइन कलेक्टर अंशुल गुप्ता, सामाजिक न्याय से राजेंद्र कुमार गोंड, इत्यादि विभागीय अधिकारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे द्य

लंबे अंतराल के बाद करैरा मंडी में फिर शुरू हुई खरीदी-बिक्री

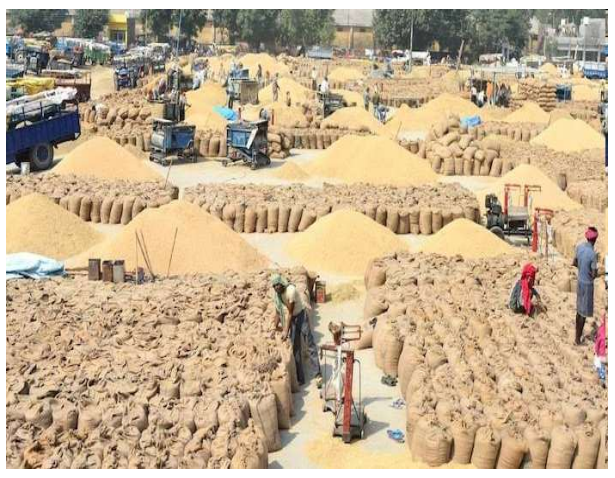

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। लंबे समय से बंद पड़ी कृषि उपज मंडी करैरा में एक बार फिर खरीदी-बिक्री की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रशासन के प्रयासों से मंडी में व्यापारिक गतिविधियां बहाल होने लगी हैं, जिससे क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों में खुशी का माहौल है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशन में एसडीएम करैरा एवं भार साधक अधिकारी अनुराग निंगवाल द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप मंडी को दोबारा सक्रिय किया जा सका है। मंडी के पुन: संचालन से किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी होगी और उन्हें उचित मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी। व्यापारियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए एसडीएम अनुराग निंगवाल का आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि लंबे समय तक मंडी बंद रहने से व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ा था और किसानों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

मंडी अध्यक्ष राजीव नीखरा, कार्यवाहक अध्यक्ष महेश बेड़र एवं सचिव सुनील जैन चिंकी के नेतृत्व में व्यापारियों ने एसडीएम को पत्र भेजकर उनके प्रयासों की सराहना की है। साथ ही मंडी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने के लिए बैठक आयोजित करने का अनुरोध भी किया है। व्यापारियों का मानना है कि प्रशासन की सक्रियता और संवेदनशीलता के कारण ही मंडी का पुनरुद्धार संभव हो सका है। नियमित बैठकें और बेहतर समन्वय से मंडी को पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

फरीदपुर पुलिस का बड़ा खुलासा: 5 चोरी की बाइक समेत 3 शातिर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। फरीदपुर थाना पुलिस क्षेत्र में गश्त करने के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक चोरी की मोटरसाइकिलें बेचने की फिराक में हैं।सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और कंजर गोटिया की ओर जाने वाली नहर पुलिया पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान फाजिल, अरमान और सोहेल के रूप में हुई है, जो फरीदपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से हीरो स्प्लेंडर, हीरो एचएफ डीलक्स और टीवीएस अपाचे समेत कुल पांच चोरी की बाइक बरामद की हैं।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने अलग-अलग जगहों से बाइक चोरी की थीं- फरीदपुर, बिथरी चैनपुर, कैंट थाना क्षेत्र और यहां तक कि उत्तराखंड के रुद्रपुर से भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।ये सभी मोटरसाइकिलें बेचने जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

मिसाल: बिना ड्यूटी के शिक्षक केजी राजपूत ने ग्राम गोंडखेड़ी को बनाया 100% स्व-गणना युक्त गाँव

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा । ?जिले का संभवत: पहला ग्राम जहाँ हर परिवार ने स्वयं की अपनी गणना; प्रशासन के अभियान को दी नई ऊँचाई ?पठारी/विदिशा- जहाँ एक ओर सरकारी कार्यों के लिए आदेशों का इंतज़ार किया जाता है, वहीं विदिशा जिले के पठारी तहसील में पदस्थ शिक्षक कृष्णगोपाल राजपूत (केजी राजपूत) ने कर्तव्यनिष्ठा की एक अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी आधिकारिक ड्यूटी न होने के बावजूद, जन-जागरण की मशाल थामी और ग्राम गोंडखेड़ी (HLB) को शत-प्रतिशत स्व-गणना युक्त ग्राम बना दिया है। माना जा रहा है कि यह जिले का ऐसा पहला ग्राम है जहाँ प्रत्येक परिवार ने डिजिटल माध्यम से अपनी गणना पूर्ण कर ली है। जुनून ऐसा कि बना दिया रिकॉर्ड-महत्वपूर्ण बात यह है कि जनगणना कार्य में शिक्षक केजी राजपूत की किसी भी क्षेत्र में आधिकारिक ड्यूटी नहीं लगाई गई थी। इसके बावजूद, उन्होंने शासन की मंशा और प्रशासनिक अपील को सार्थक बनाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने घर-घर जाकर ग्रामीणों को स्व-गणना के लाभ समझाए और तकनीक के प्रति उनकी झिझक दूर की। परिणाम स्वरूप, आज गोंडखेड़ी ग्राम का हर परिवार इस प्रक्रिया का हिस्सा बन चुका है। वरिष्ठ अधिकारियों की अपील का दिखा असर- ?विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता, जिला जनगणना अधिकारी अनिल डामोर, कुरवाई एसडीएम मनीष जैन एवं पठारी तहसीलदार अभिषेक पांडेय द्वारा लगातार जिले में स्व-गणना के लिए नागरिकों से अपील की जा रही है। अधिकारियों के इसी आह्वान को आधार बनाकर शिक्षक राजपूत ने ग्राम गोंडखेड़ी में यह कीर्तिमान स्थापित किया है, जो अब पूरे जिले के लिए एक मॉडल बन गया है।

शिक्षक का धर्म केवल पढ़ाना ही नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करना भी है। प्रशासन की इस महत्वपूर्ण पहल में अपना योगदान देकर और गोंडखेड़ी को 100त्न स्व-गणना युक्त बनाकर मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। इस प्रयास में इस सर्किल के सुपरवाइजर राघवेंद्र राजपूत एवं ।ास्क के प्रगणक सुरेन्द्र दुबे एवं हनुमत सिंह राजपूत का भी विशेष योगदान रहा। > - के.जी. राजपूत, शिक्षक

?30 अप्रैल तक है अवसर- ?मध्यप्रदेश में स्व-गणना का यह विशेष अभियान 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाया जा रहा है। शासन की इस योजना का उद्देश्य नागरिकों को स्वयं की जानकारी शुद्धता के साथ दर्ज करने का अवसर देना है। केजी राजपूत का यह प्रयास सिद्ध करता है कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो शासकीय अभियानों को जन-आंदोलन बनाया जा सकता है।

"I'm not like other girls!" - Is this dialogue of yours putting you on the Pick-Me Girl list?

From Instagram reels to the world of memes, the term Pick-Me Girl is being used in many places these days. The main purpose is to prove oneself better by belittling other girls, to attract the attention of boys and get their compliments. This toxic thinking turns women into enemies of women. Hey man, I don't understand this shopping and makeup at all! I'm not like other girls. I prefer being with boys, at least there's no girl drama." Have you ever heard someone say this in your college, office, or group of friends? Or perhaps you've seen a similar reel while scrolling through Instagram or YouTube? If the answer is "yes," then you've encountered a Pick-Me Girl. These days, this term is spreading like wildfire on the internet and has even dominated the world of memes. However, what exactly is this "Pick-Me Girl"? It seems like just a personal choice, so why are people considering it a toxic trend for women? Let's decode its entire story in simple terms. Who is a "Pick-Me Girl"? A "Pick-Me Girl" is a girl or woman who tries to prove herself different and better than everyone else. Her most common line is, "I'm not like other girls." She often does this just to attract the attention of boys and get compliments. For example, a A "pick-me-girl" will deliberately say things like, "I don't like to wear makeup or go shopping," or "There's too much drama in female friendships, so I only have male friends." Her goal is to show that she's cooler or smarter than other women. Why is this concept bad? At first glance, it may seem like a personal choice, but when you delve deeper, it's a harmful mindset for society and women. The main reasons for this are: Demeaning other women: A "pick-me-girl" mocks other girls' common preferences (such as dressing up, being emotional, or liking feminine things) to elevate herself. This mindset destroys the sense of support among women. Dependence on male approval: This concept is based on the idea that a girl's worth is determined solely by how much boys like her. In sociological terms, this is called "Internalized Misogyny," or the hatred or prejudice women harbor against women. Promoting stereotypes: Assuming that "all girls are the same and just act out" is inherently wrong and regressive. It forces women into a single mold. Trolling everything isn't right—there are two sides to every coin. Nowadays, the term "pick-me-girl" is being misused on the internet. If a girl genuinely enjoys playing video games, is passionate about sports, or genuinely doesn't like wearing makeup, people start trolling her by calling her a "pick-me-girl." This is equally wrong. It's not a bad thing to have different tastes; the bad thing is to belittle others by assuming your own preferences are superior to theirs. True freedom lies in allowing everyone to do what they love. One girl may love high heels, another may love sneakers—both are perfectly fine in their own places. Undermining or belittling someone else to feel special is never the right way to feel. True strength lies in supporting each other, in supporting each other. Not in pulling someone's leg.

Is your child ready for school? Learn from a counselor about a 40-day formula to boost self-confidence.

The first step into school is a major turning point in a child's life. School counselor Kanika Madan explains the role of parents in easing this transition. Wean your child off their screen addiction in 40 days. Build concentration and patience through games. Reduce the fear of separation from parents. With the arrival of a new academic year, many questions and concerns arise in parents' minds. The market is filled with new bags and bottles, but is your child mentally prepared for the transition that will take them from the safe sofa at home to the school desk? School counselor Kanika Madan explains that going to school doesn't just mean buying a new bag, notebooks, or bottles, but also preparing your child mentally. This is a process of building their self-confidence. With patience and proper planning, you can make your child's first day in the classroom a memorable and happy experience. Understand the challenge - Today's children are experiencing behavioral changes post-COVID. Three main reasons for their discomfort in the classroom are lack of discipline, limited social circle, and dependency. At home, there are no set times for sleeping, waking, and eating. The disciplined school environment feels restrictive. Due to the lack of outside interaction, children become nervous about crowds and noise. Relying on parents for even small tasks (like drinking water or going to the washroom) makes them feel insecure at school. Detox in 40 days - Weaning your child from screen addiction is the first step in preparing for school. The human brain needs 40 days to adjust to any new behavior. Start reducing screen time at least four to six weeks before the start of school. Don't just keep your child away from the phone, but also have all family members declare an hour a day a "no phone zone." Replace screens with board games, painting, or physical activity. Improve concentration through play - Concentration is essential for sitting in the classroom. This can be developed through play. For this, recite a line from a story and ask the child to continue. This encourages children to listen and think. Play games that require them to wait their turn. This develops social patience. Emphasize not only running around but also mindful games that involve sitting in one place. Make going away easy - The fear of being away from parents is a major fear in children. To overcome this, trust building is essential. For this, leave the child with a trusted person for short periods (10-20 minutes) for a few days. If you say you'll be back in 10 minutes, return exactly 10 minutes later. This will instill confidence in the child that going away doesn't mean separation. Avoid overdoing it - Often, in excitement or anxiety, parents discuss school so much that the child becomes afraid. Instead of presenting school as a "big event," describe it as a normal routine. Don't make grand promises like, "It'll be so much fun there." Instead, say, "Let's see what new things we'll learn there." Involve the elders in this change so that the child feels that the entire family is with them on this new journey.

How did Kajol improve her relationship with her Gen-Z daughter Nysa? These tips will be useful for every parent.

Kajol recently shared in a video how she improved her relationship with her daughter Nysa. It's important to listen carefully to children. Give them space to express themselves. Patience and time are essential to improving relationships. Bollywood's bubbly and outspoken actress, Kajol, is as famous for her on-screen roles as she is a caring mother in real life. The bond between Kajol and her Gen-Z daughter, Nysa Devgan, is often a topic of discussion on social media, but did you know that this beautiful bond didn't develop overnight? Kajol recently shared in a podcast with Lilly Singh that she and Nysa have worked hard for years to strengthen their bond. When faced with hormonal changes and conflicts, Kajol explains that a girl's life is full of challenges. The most difficult phase in their mother-daughter relationship came when Nysa turned 12. Kajol said that due to hormonal changes and aging, she would argue with her daughter over every little thing. During this time, they both became increasingly irrational and illogical. This strained her relationship with her daughter, and they endured this tension for almost three years. The situation became so dire that neither of them was willing to listen or talk to each other. Kajol took a wise step: As an adult and a mother, Kajol realized that to save their relationship, she needed to take a step back. She decided not to fight with Nysa as much. Kajol changed her communication strategy with her daughter. She began talking to Nysa as much as possible and working together with her. Kajol believes that parenting isn't just about giving orders. She felt that her biggest learning was to sit with her daughter and listen to her. Lessons for parents of Gen-G kids - Kajol's journey holds some very important tips for parents of Gen-G kids - Listening is more important than speaking - It is most important for parents to listen to their children, especially if your child is a teenager. It is important to listen to the children before saying your own. It is important to make the children feel that you are with them. Giving space is important - It is very important to give children space to express their views and understand themselves. This helps the child to talk openly to the parents. Patience and time - No relationship improves in a day. Give time to your relationship with children. Keep ego aside - As a parent, sometimes giving in and staying calm can save the relationship from breaking.

Krushna Abhishek fell at the feet of Govinda's wife Sunita Ahuja, Kashmera shed tears; this is the reason for the 14-year-long feud.

A recent video of Krushna Abhishek is going viral, in which he wept and fell at the feet of his aunt Sunita. Fans were moved by the comedian's condition. Krushna Abhishek wept profusely at the feet of his aunt Sunita Ahuja. Kashmera Shah told Sunita Ahuja in front of everyone: "This one mistake started the feud 14 years ago." There had been a long-standing rift between Krushna Abhishek and Govinda's family, which now appears to be ending. A recent video of Krushna Abhishek is going viral, in which he is seen holding Sunita Ahuja's feet and apologizing. Fans were moved by the always-smiling Krishna's condition. Krishna Abhishek broke down in tears. Sunita Ahuja will be a special guest on the upcoming episode of "Laughter Chefs." Colors shared a promo for the episode on its official Instagram account. In the video, as Sunita Ahuja enters the set, Krishna becomes extremely emotional. He first embraces her and then says, "It's been 14 years." He then immediately grabs her feet. Looking at Kashmera, Krishna says to Sunita Ahuja, "I found parking at your feet, but someone else needs it too." Seeing this moment, Kashmera also became very emotional and apologized to Sunita in front of everyone on national television, saying, "I'm sorry." Fans on social media were moved to tears by Krishna's condition. Fans, always in a comedic mood, were moved to tears by the sight of Krishna Abhishek crying so much. One user wrote, "Everyone makes mistakes, big and small, but the greatest forgiver is the one who forgives, and family should come first." Another user wrote, "This is the first time I've seen Krishna Bhaiya cry. I feel very bad." Today, Krishna Abhishek found his Chef is such a wonderful show, it unites everyone. when Krishna Abhishek made a joke lost bond again." The feud began 14 years ago was further fueled by a tweet from Kashmera Shah, in which she wrote, "Some people dance at weddings for money." Sunita took this as a dig at her husband Govinda, about Govinda, which deeply hurt Sunita. This was attending an event at the time. Following this, Sunita Ahuja openly called Kashmera a "bad daughter-in-law." In retaliation, Kashmera replied, "Who is Sunita?" This dispute escalated so much that it took them 14 years to resolve it.

Anupama's makers have suffered a major setback, and Ekta Kapoor is celebrating twice; TV TRPs have fluctuated this week.

This week's TV TRP list has been released, and fans of "Anupama" are in for a rude shock. Who ranked No. 1? See the list: Anupama didn't make the top 2 this time - The TRP list has changed completely - These shows ranked No. 1 this time. The makers of "Anupama," which has dominated television for the past six years, have suffered a major setback this week. Rupali Ganguly's show "Anupama" has consistently held the No. 1 position, but its TRPs have plummeted this time. While the tension has increased for the makers of "Anupama," Ekta Kapoor is celebrating, as not just one, but two of her shows have made it to the top 10 TRP list. Which show has been crowned number 1 this week? Read the details below: This show beat Anupama to become number 1. The show that has usurped Anupama's throne this time is 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi' Season 2, airing at 10:30 pm on Star Plus. Fans are loving the twists and turns in this season. This show has currently reached number 1 in the TRP charts with a rating of 2.0. After this, Anupama has not even reached the second position, as 'Vasudha' has come first with a rating of 1.8. Rajan Shahi's show 'Yeh Rishta Kya Kehlata Hai' has secured the third position with a rating of 1.8. Only after these three shows has Anupama secured a place in the TRP list this time. This week, Anupamaa's TRP rating is 1.8, but the show has slipped to number 4. Two of Ekta Kapoor's shows have made it to the top 10. While the makers of Anupamaa have suffered a setback, Ekta Kapoor's show, not one, but two, has made it to the top 10 TRP list this week. In addition to "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2," her show "Naagin 7" also made it to the top 10. This week, Naagin's TRP is 1.5. Among the shows that have made it to the top 10, "Kyunki Rishton Ke Bhi Roop Badalte Hain" is at number 5 with a rating of 1.7. At number 6 is "Ganga Maa Ki Betiyaan," also with a TRP of 1.7. Next in line is "Udne Ki Asha," with a rating of 1.6, and "Tum Se Tum Tak," with a rating of 1.6. Following this, "Naagin 7" is at number 10. Now it remains to be seen how the makers of 'Anupama' make a comeback after this upheaval in TRP.

Rihanna returns to India for work after two years, kisses paparazzi...moment goes viral on the internet

As soon as pop star Rihanna returned to India after two years, paparazzi went crazy seeing her, the video of which is going viral on the internet. Rihanna returns to India for work; moment between paparazzi and Rihanna goes viral - this time the pop star is back for a new project, not marriage. Global pop icon Rihanna has returned to India after a long two-year wait. The singer was spotted at Mumbai airport, where the moment between Rihanna and paparazzi is going viral on social media. Read the details below about the work Rihanna is doing this time. Rihanna looked happy after returning to India - Hollywood singer Rihanna was spotted by paparazzi at Kalina airport, where she disembarked from her private jet. She was seen wearing all black. She looked very beautiful in a same colour hoodie with black lowers and had tied her hair in a loose braid. The same excitement was visible on Rihanna's face after coming to India for the second time. As soon as the pop star came out of the airport, the paparazzi started shouting her name 'riri-riri'. Rihanna also did not ignore the paparazzi at all and stopped towards them and waved with a smile and after that she gave a flying kiss to the photographers and sat in her car and left. Fans also asked these questions on the internet - Internet users have also reacted to Rihanna's return to India for the second time. One user wrote, "Rihanna has come to India, whose wedding is it going to be?" Another user wrote, "Does anyone know why Rihanna is in India? I have absolutely no idea." Another user wrote, "Rihanna, why are you in India? You're just 5 hours away from me. Someone please tell me where Rihanna is going." Rihanna has returned to India for work: This time, Rihanna isn't attending a wedding, but for work on her beauty brand. According to a Times of India report, Rihanna's beauty brand is having an event in Mumbai. She may be seen publicly at a promotional pop-up event. It's worth noting that two years ago, Rihanna performed at Anant Ambani and Radhika Merchant's pre-wedding function in Jamnagar. At that time, a moment between her and the paparazzi went viral.